भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

19.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3005 का उत्तर

उत्तर बंगाल में रेल लाइनों का विद्युतीकरण और दोहरीकरण

3005. श्री राजू बिष्ट:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दार्जीलिंग, कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और कूच बिहार सहित उत्तरी बंगाल में रेल लाइनों के विद्युतीकरण और दोहरीकरण की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इन जिलों में उन रेल खंडों का ब्यौरा क्या है जहां विगत पांच वर्षों के दौरान विद्युतीकरण और दोहरीकरण की परियोजनाएं पूरी की गई हैं; और

(ग) इन जिलों में वर्तमान विद्युतीकरण और दोहरीकरण परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनके पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य

सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

पश्चिम बंगाल राज्य में, 98.6% बड़ी आमान लाइनों का विद्युतीकरण किया जा चुका है और 2009-14 तथा 2014-2024 के दौरान उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2009-14	160
2014-25 (फरवरी - 2025 तक)	1,647

कूचबिहार जिले के न्यू कूचबिहार-बामनहाट खंड के कूचबिहार जिले के न्यू कूचबिहार-बामनहाट खंड, जिसका विद्युतीकरण शुरू किया गया है, को छोड़कर उत्तर बंगाल, दार्जीलिंग, कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में स्थित रेल लाइनों का विद्युतीकरण कार्य पूरा हो चुका है।

फालाकाटा के रास्ते न्यू जलपाईगुड़ी से न्यू कूच बिहार तक दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और कूच बिहार के जिलों से गुजरने वाली लाइन पहले से ही दोहरी लाइन है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली कुल 4479 कि.मी. लंबाई वाली 60,168 करोड़ रुपये लागत की 43 परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 04 आमान परिवर्तन, और 26 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण

के चरणों में हैं, जिनमें से 1655 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 20,434 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च तक 2024 कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	13	1087	322	9774
आमान परिवर्तन	4	1201	854	3663
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	26	2192	479	6997
कुल	43	4479	1655	20434

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं हेतु परिव्यय का विवरण निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	4,380 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	13,941 करोड़ रु. (3 गुना से अधिक)

पिछले तीन वर्षों (अर्थात् 2021-2022, 2022-2023, 2023-24 और वर्तमान वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25) में पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 4,713 कि.मी. लंबाई के कुल 102 अदद सर्वेक्षण (15 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 85 दोहरीकरण) कार्यों को स्वीकृत किया गया है और सर्वेक्षण कार्य शुरू किया जा चुका है।

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन कार्य भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

कुल अपेक्षित भूमि	4093 हेक्टेयर
अधिग्रहित की गयी भूमि	1086 हेक्टेयर (26.5%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	3007 (73.5%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए पश्चिम बंगाल राज्य सरकार का सहयोग आवश्यक है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण के लिए शेष भूमि (हेक्टेयर में)	राज्य को भुगतान की गयी राशि (करोड़ रु. में)
1.	नवद्वीप घाट-नवद्वीप धाम नई लाइन परियोजना	106.71	0	106.71	50
2.	सांईथिया जंक्शन पर बाईपास	22.28	0	22.28	0
3.	दीघा-जलेश्वर नई लाइन	55.43	0	55.43	0

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल सफलता पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

******